

राज्यपाल ने डॉ० जकिया को फिक्शन अवार्ड 2018 से सम्मानित किया

लखनऊ: 11 मार्च, 2018

लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय हॉल में आज शोआ फातिमा एजुकेशनल एवं चैरिटीबल ट्रस्ट, लखनऊ द्वारा आयोजित समारोह में उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने डॉ० जकिया मशहदी को डॉ० शमीम निकहत फिक्शन अवार्ड 2018 से सम्मानित करते हुए रुपये 50 हजार की धनराशि, शाँल तथा स्मृति चिन्ह प्रदान दिया। इस अवसर पर कुलपति प्रो० एस०पी० सिंह, उर्दू अकादमी की अध्यक्ष श्रीमती आसिफा जमानी, पूर्व मंत्री डॉ० अम्मार रिज़वी, ट्रस्ट के प्रबंधक प्रो० शारिब रूदौलवी, मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी हैदराबाद के प्रो० जफरुद्दीन, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो० अतीक उल्लाह, ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री वकार रिजवी, उपाध्यक्ष डॉ० याशमीन अंजुम व बड़ी संख्या में उर्दू के विद्वान उपस्थित थे।

राज्यपाल ने प्रो० शारिब रूदौलवी की पत्नी स्व० डॉ० शमीम निकहत को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि डॉ० शमीम निकहत के पूरी दुनिया में शिष्य हैं। वे अच्छी फिक्शन लेखिका थीं जिन्होंने महिलाओं के दर्द को सदैव समझा और उसे अपनी लेखनी में प्रमुखता से स्थान दिया। राज्यपाल ने प्रो० जकिया मशहदी को बधाई देते हुए कहा कि प्रो० जकिया को अवार्ड मिला है, मैं उनकी खुशी समझ सकता हूँ क्योंकि मुझे भी वही खुशी मिली थी जब महाराष्ट्र सरकार ने मेरी पुस्तक 'चरैवेति! चरैवेति!!' के लिए मुझे सम्मानित किया था। उन्होंने कहा कि वे तीन बार मुंबई से विधायक का चुनाव जीते और पांच बार वहीं से सांसद का चुनाव जीते पर जीवन एक ही बार पुस्तक के लिए पुरस्कार मिला।

श्री नाईक ने कहा कि शिक्षा की सर्वसुलभता तथा शिक्षा की गुणवत्ता का देश के विकास से सीधा संबंध है। महिलाएं शिक्षित होंगी तो प्रदेश की इतनी बड़ी जनशक्ति को प्रदेश के विकास में भागीदारी प्राप्त होगी। समाज में परिवर्तन का चित्र दिख रहा है। वे 28 विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हैं। वर्ष 2016-17 शैक्षणिक सत्र हेतु सम्पन्न दीक्षांत समारोहों में 15 लाख से ज्यादा विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई हैं जिनमें 51 प्रतिशत छात्राएं हैं। लगभग 66 प्रतिशत छात्राओं को उच्च शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पदक भी दिए गए हैं। समाज में महिला शिक्षा का बदलता चित्र 20 वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेई द्वारा आरम्भ की गई 'सर्व शिक्षा योजना' तथा वर्तमान में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' योजना का परिणाम है। उन्होंने कहा कि समाज को बदलने के लिए बेटियों को शिक्षित करना अत्यन्त आवश्यक है।

इस अवसर पर कुलपति प्रो० एस०पी० सिंह, डॉ० जकिया मशहदी, डॉ० अतीक उल्लाह, डॉ० जफरुद्दीन ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन प्रो० शारिब रूदौलवी ने दिया तथा संचालन डॉ० अब्बास रज़ा नैय्यर ने किया।

